पाठ-३
सदाचार

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

☎ 99260-40137

जैनी की पहचान के तीन चिह्न

रात्रि भोजन-त्याग

पानी छानकर पीना

नित्य (रोज) देव-दर्शन

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

रात्रि भोजन-त्याग

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

रात्रि का मतलब

- शाम को सूर्यास्त के बाद
- सुबह सूर्योदय के पहले
- घड़ी के समय से रात्रि नहीं मानी जाती है

रात्रि भोजन के दोष

द्रव्य-हिंसा

- Light नहीं जलाने से बड़े जीव मर जाते हैं
- Light जलाने से भी हिंसा होती है
- रात में विशेष जीव-उत्पत्ति होती है
- बहुत से जीव रात में ही गमन करते हैं - प्रकाश के प्रेम से अग्नि के पास आते हैं तथा श्मशान से भी ज्यादा होमित होते हैं

रात्रि भोजन के दोष

भाव-हिंसा

- आसक्ति ज्यादा होने से राग की तीव्रता
- अत्यागपना

☸ दिन का भोजन स्वाभाविक होता है

☸ जैसे:-अन्न का भोजन स्वाभाविक है

☸ माँस का भक्षण अस्वाभाविक एवं विशेष रागभाव से होता है

☸ उसी प्रकार रात के भोजन में राग-भाव ज्यादा होता है।

☸ माँसभक्षण और अन्न के भोजन जैसा रात और दिन के भोजन में अंतर है

विशेष

- दिन में भी जहाँ प्रकाश न हो वहाँ भोजन नहीं करना चाहिये
- वर्षा ऋतु में
- श्वान की कथा
- रात्रि का बना हुआ दिन में नहीं करना चाहिये
- दिन का बना हुआ रात्रि में नहीं करना चाहिये

रात्रि भोजन-त्याग में क्या त्यागें ?

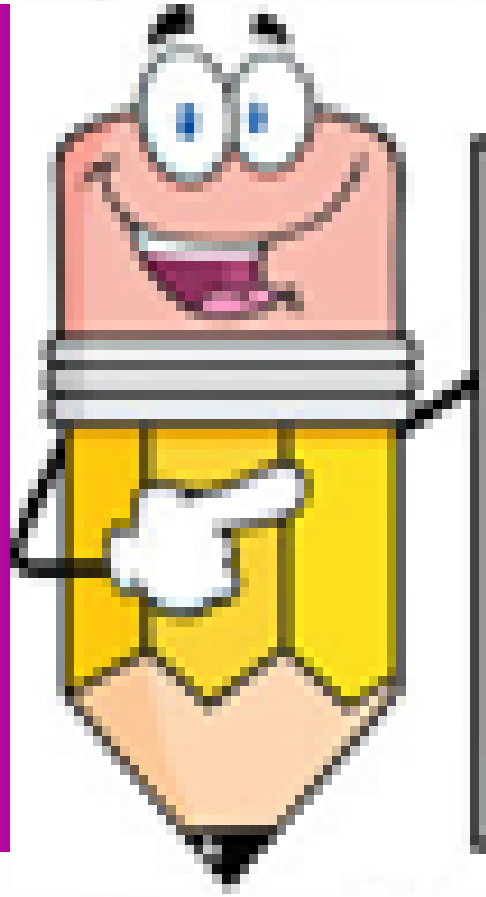

स्वयं चार प्रकार के आहार का त्याग करें

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

रात्रि-भोजन से नुकसान

- माँस शरीर में जानें से अनेक रोग होते हैं
- पर-भव में नरक,निगोद की प्राप्ति होती है
- दिन-रात आरंभ करने पर परिवार में दुःख बना रहता है
- धर्मसेवन, शास्त्र-अभ्यास, जाप, सामायिक आदि का समय नहीं मिलता
- रात्रि-भोजी के कोई व्रत, तप नहीं होता है

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

अनछना पानी

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

पानी के उपयोग संबंधी विचार

- स्वयं छानकर पीवें
- दूसरों को भी छानकर पिलावें
- अन्य कार्यों में भी छानकर काम में लें

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

अनछना पानी - जीवहिंसा

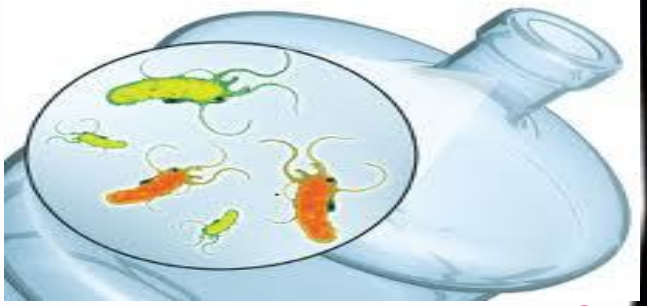

- अनछने पानी की एक बूँद में असंख्यात जीव होते हैं
- Microscope से 36500 जीव देखे गये हैं, जो आकाश में उड़ती धूल जैसे दिखाई देते है
- अनछने पानी का उपयोग करने पर उन जीवों की हिंसा हो जाती है, जिससे हमें पाप का बंध होता है

अनछना पानी के उपयोग से नुकसान

- उन जीवों का शरीर पीने से अनेकानेक रोग उत्पन्न होते हैं
- १ चुल्लू अनछने पानी की ढोलने से १ गाँव के मारने के समान पाप लगता है
- अनछने पानी का उपयोग रक्त के उपयोग के समान है
- अत: पानी हमेशा छानकर ही उपयोग में लाना चाहिये

पानी कैसे छानें?

- मोटे दोहरे सपाट कपड़े से
- बर्तन के मुख से तिगुना लम्बा चौड़ा
- नवीन कपड़ा
- बिलछानी उद्गम स्थान पर पहुँचावें

पानी की मर्यादा

छने पानी की मर्यादा	४८ मिनिट
पानी में लोंग, सौंफ आदि डालने पर	६ घंटे
गर्म पानी	१२ घंटे
उबला पानी	२४ घंटे

जैनी की पहचान का तीसरा चिह्न

नित्य देव-दर्शन

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर